ओमशान्ति। भोलानाथ शिव भगवानुवाच; क्योंकि भगवान को ही भक्तों को राजी करना होता है। बहुत भक्ति करते हैं तो भगवान को राज़ी करने मनुष्य सृष्टि में आना पड़ता है। झोली भी तो यहाँ ही भरें(गे)। मनुष्य सृष्टि की ही झोली भरनी है; क्योंकि कंगाल हो गए हैं। झोली कंगाल की ही भरी जाती है। भारत कितना कंगाल है तो ज़रूर भारत में किनकी तो झोली भरती होंगे और झोली उनकी भरेंगे जो उस भोलानाथ के बनेंगे। वो खुद डायरैक्ट अपनी पहचान देते हैं अथवा सन शोज़ फादर भी होता है। तुम जानते हो भोलानाथ कृ॰ को नहीं कहा जा सकता। भक्तों का रखबाला कृष्ण नहीं, भगवान को कहा जाता है। भगवान ही आकर आदि—मध्य—अंत का राज़ सुनाते हैं। गीता में ही यह आदि—मध्य—अंत का राज़ है। तो भक्तों का रखवाला गीता का भगवान ही ठहरा। उसने ही देवी—देवता धर्म रचा और राजयोग सिखलाया। राधे—कृष्ण भी गीता के भगवान द्वारा बने थे और फिर अब बन रहे हैं। श्री कृष्ण की भी राजधानी थी। उस श्री कृष्ण ने यह राज्य कैसे पाया। यह भी समझ... की है। वो है सतयुग आदि का प्रिंस। तो ज़रूर आगे जन्म में गीता के भगवान द्वारा ऐसे कर्म सीखकर प्रिंस बना होगा। अब कृष्ण की राजधानी बन रही है। यह है कंस की राजधानी। शिव भोलानाथ खुद कहते हैं यह आसुरी सम्प्रदाय है। अभी तुम मेल—फिमेल दोनों को ट्रांसफर कर दैवी सम्प्रदाय बन रहे हैं। शूद्र से ब्राह्मण बनाते हैं। तो ब्रह्मा भी यहाँ ही चाहिए। विष्णु भी ल॰ना॰ का युगल रूप है; क्योंकि प्रवृत्तिमार्ग है। तुम जानते हो हम जाकर प्रवृत्तिमार्ग में ऐसे राजा—रानी बनेंगे। पहले2 तो गीता का भगवान सिद्ध करना पड़े। गीता का भगवान भोलानाथ ही है। यह गीत भी सिद्ध करता है। ऐसे2 रिकॉर्ड बहुत काम में आवेंगे। हम सिद्ध कर बतावेंगे। गीतायें जो छपती हैं उन पर केस करना है। बाबा युक्तियाँ तो बहुत बता रहे हैं। एक ही मुख्य बात में तुमने जीत पाई तो फिर सब प्वाइंट्स सिद्ध हो ही जावेगी। ज्ञान का एक ही बड़ा गोला लगेगा तो बहुत खड़े हो जावेंगे। कहेंगे यह तो बहुत ऊँच बात बतलाते हैं। यह तो बराबर शिव शक्तियाँ हैं। शिववंशी होंगे तो शिव शक्ति बने। शिव ही सर्वशक्तिवान है। सर्वशक्तिवान एक को कहा जाता है जो माया रूपी रावण से लिबरेट कराते हैं; क्योंकि हम माया के गुलाम बन गये थे। सब गिरवी पड़ गए हैं। बाप आकर सारी गुलामगिरी से निकाल(ते) हैं। मुनष्य पुकारते हैं मैं गुलाम हूँ। एक तरफ कहते हैं हम गुलाम हैं और फिर अपन को ईश्वर कहते रहते। ईश्वर को याद ही ऐसे करते हैं आप मालिक हैं, हम गुलाम हैं। बाप फिर कहते हैं तुम तो हमारे बच्चे हो गुलाम नहीं। गुलाम माया के बने हो। तुम ऐसे नहीं कहो मैं गुलाम, मैं गुलाम तेरा। बच्चों को गुलाम थोड़े ही कहा जाता है। अब तुम बच्चों को मैं मालिक बनाता हूँ। यह भी तुम बच्चों को सिद्ध कर समझाना है कि श्री कृष्ण का यह है सतयुग आदि का जन्म। तो ज़रूर कलियुग के अन्त के अन्तिम जन्म में इसने पुरुषार्थ किया है। बहुत जन्मों के अन्त के जन्म में कैसे उसने राज्य पद पाने पुरुषार्थ किया। कौन—से कर्म किये वो तुम जानते हो। हम भी अब कृष्ण पुरी में जाने लिए यह राजयोग सीख रहे हैं। श्री कृष्ण सृष्टि के आदि में पहला प्रिंस है तो ज़रूर सृष्टि के आदि, अन्तिम जन्म में कहीं से प्रालब्ध पाई है। सतयुग के प्रिंस की जीवन कहानी तुम जान गये हो तो ज़रूर सबकी बायोग्राफी जानते होंगे। वहाँ कोई एक प्रिंस थोड़े ही होगा। कृष्ण पुरी स्थापन होती है ना। तो ज़रूर सबने बहुत जन्मों के अन्त के जन्म में यह राजयोग सीखा है। प्रिंस एक तो नहीं हो सकता। राजाएँ तो बहुत होते हैं, उनके बच्चे फिर प्रिंस—प्रिंसेज़ बनेंगे। राजाओं पास भी बहुत जन्म लेते हैं ना। राजाएँ तो अभी भी हैं। सिर्फ नाम मिटा दिया है। तुम बच्चों को मुख्य एक ही बात सिद्ध कर बतानी है। श्री कृष्ण की राजधानी कैसे स्थापन हुई। बाबा कहते हैं मैं ही आकर इनके बहुत जन्मों के अन्त के जन्म में

प्रवेश कर यह राजयोग सिखलाता हूँ। तुम जानते हो कि योग से आयु बढ़ती है। इनकी आयु भी बढ़ती है ना। तुम समझा सकते हो गीता के भगवान ने योग सिखलाया तो उनकी आयु बड़ी थी। किसी को समझाना कितना आसान है। सुनने वाले का रोमांच ही खड़ा हो जाये। तुम रामचंद्र के मंदिर में भी समझा सकते हो कि इन्होंने ....ह प्रालब्ध कैसे पाई। राम राजा, राम प्रजा कहा जाता है तो इन्होंने प्रालब्ध कैसे पाई। भगवान ने ब्रह्मा के मुख कमल से ब्राह्मण, देवता, क्षत्रिय तीनों धर्म स्थापन किये थे। अभी यह प्रालब्ध पा रहे हैं। ऐसे नहीं कि इन्होंने सतयुग–त्रेता में प्रालब्ध बनाई। नहीं। रामचंद्र ने भी यहाँ पुरुषार्थ से प्रालब्ध पाई। 21 जन्म की प्रालब्ध है। बाबा ने समझाया है ब्रह्मा द्वारा सूर्यवंशी–चंद्रवंशी धर्म की स्थापना होती है। ऐसे नहीं कि वो सतयुग में भी राज्य करेंगे। वहाँ तो पढ़े हुए सूर्यवंशी आगे भरी ढोयेंगे। फिर समझाना चाहिए राम को बाण आदि क्यों दिए। देवताएँ तो कब हिंसा नहीं कर सकते। अगर सत–त्रेता में भी वाइसलेस .... यहाँ भी वाइसलेस तो बाकी नॉनवाइसलेस कब होगा। आधा कल्प है वाइसलेस, आधा कल्प है .....। वास्तव में वाइसलेस भी कोई द्वापर आदि में शुरू नहीं होता। करीबन 3500 वर्ष तक कोई लड़ाई नहीं होती। बाकी काम विकार की हिंसा तो द्वापर से शुरू हो जाती है; क्योंकि वाममार्ग में गिरते हैं। यह प्वाइंट है उन्होंने राज्य कैसे लिया। कलियुग अन्त और सतयुग आदि में क्या था। वो है रात, वो है दिन। नई दुनिया में तो बहुत वैभव माल रहते हैं। बच्चों ने सा॰ भी किया है। एरोप्लैन में हीरे–जवाह... खानों से ले आते हैं। अब जो खानें खाली हो गई हैं वो फिर भरतू हो जावेंगी। ऐसी बहुत जगह है जहाँ हीरों–जवाहरों सोने की गुफायें हैं जो कब खराब न हो। वो सब माल फिर हमारे काम में आ जावेगा। सोने की ईंट डेढ़ लाख की भी होती है। अखबार में भी पढ़ा था। सरकार को भी सोना रखना पड़ता है नोटों के बदले। साइंस की भी बहुत ताकत रहती है। अब तो न बुद्धि की ताकत, न शरीरों की। वहाँ तो सब ताकत है। शह..... बनने में कोई देरी नहीं लगती। महलों में हीरे–मोती लगा देते हैं। यह भी ड्रामा है। जो कुछ स्वर्ग में बनाया था वो फिर बनाना है। देखो, बम्बई कितनी छोटी थी अब कितनी बना दी है। फिर भी छोटी होगी। फिर अच्छी2 बातें तुम समझ रहे हो। है भी बहुत सहज। तुम बच्चों को बाबा दान देते हैं फिर तुमको दान करना है। बहुत प्यार से दान करना चाहिए। भोलानाथ बाबा कितना रहमदिल है। उनमें कब विकार की निशानी नहीं हो सकती। वो कब स्वभाव नहीं दिखावेंगे। निअंहकारी कितना है। बच्चों में अहंकार कितना बढ़ जाता है। बाबा जैसा निअंहकारी बनना चाहिए ना। जैसा बाप वैसे बच्चे। बाप भी निराकार बच्चे भी निराकार (आत्मा) हैं। ज्ञान सारा आत्मा में ही रहता है ना। बाबा के पास निराकारी दुनिया में जावेंगे फिर वहाँ से आवेंगे प्रालब्ध भोगने। प्रालब्ध का खाता शुरू हो जाता है। पुरुषार्थ का खाता बन्द हो जाता है। फिर तो खुशियाँ ही खुशियाँ हैं जिसके लिए हम, तुम, मम्मा सब पढ़ रहे हैं। तो ज़रूर हमको पढ़ाने वाला और है ना। ज्ञान सागर से अन्त तक हम पढ़ते रहेंगे। जब पढ़ाई पूरी हो जावेगी फिर तो यहाँ रहने की भी दरकार नहीं। फिर तो ..... स्वीट गॉड फादरली होम। वहाँ से फिर आवेंगे स्वीट राजधानी में। उस भोलानाथ बाबा की कितनी महिमा है। गीत से भी तुम सिद्ध कर सकते हो। इसमें तो कृष्ण की बात ही नहीं। गीता द्वारा कृष्ण पैदा हुआ। भगवान द्वारा गीता पैदा हुई। गीता कृष्ण से पैदा हुई ऐसे कहने से भगवान गुम हो जाता है। भगवान की निशानी है ही गीता। बाबा कहते हैं गीता द्वारा मैं स्वर्ग की स्थापना करता हूँ। वो तो ज़रूर **Creator** ही करेंगे। फिर नर्क की स्थापना रावण माया द्वारा होती है। 25.... वर्ष हुए जबकि रावण राज्य शुरू हुआ है। इ.... पहले रामराज्य था। तुम हिसाब भी निकालते हो। इस्लामी, बौद्धी आदि की इतनी संख्या है। बाकी भारत का धर्म दो युग चला है। वहाँ इत... विकार होते नहीं, न इतने बच्चे पैदा होते हैं। मनुष्य सृष्टि तो यही है। जास्ती कोई बढ़ती नहीं है

(मुरली अधूरी है)